

## राग : वृंदावनी सारंग

राग माहिती

वादी स्वर	रीषभ 'रि'
संवादी स्वर	पंचम 'प'
वर्जित स्वर	गांधार तथा धैवत 'ग' तथा 'ध'
जाति	ओडव - ओडव
गायन समय	दिनका तिसरा प्रहर
विकृत स्वर	अवरोहमे निषाद कोमल प्रयुक्त होता हे।

आरोह	नी	सा	रे	म	प	नी	सां
अवरोह	सां	<u>नी</u>	प	म	रे	सा	
पकड	नीसारे	पमरे	नीसा				

थाट : काफी

हार रे हाय	कश्मीर की कली (१९६४)	आशा- रफी
जादुगर सैंया	नागीन (१९५४)	लता मंगेशकर



## स्वरमालिका ( राग वृंदावनी सारंग )

स्थाइ

ताल : तीनताल

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
X				२				०				३			
सां	सां	सां	सां	सां	नी	प	म	सांनी	पम	रे	सा	नी	नी	म	प
नी	नी	प	म	रे	रे	रे	नी	सा	सा	सा	सा	सारे	सांनी	प	प
सारे	सांनी	प	प	रे	रे	रे	पम	रे	रे	सा	सा				

अंतरा

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
X				२				०				३			
नी	नी	म	प	पनी	सां	सां	सां	रें	नी	सां	सां	नी	नी	नी	नी
सां	सां	सां	सां	मं	रें	सारें	नीसां	नी	नी	प	प	पनी	सांनी	सां	सां
मप	नीप	नी	नी	रेम	पम	प	प	सारे	मरे	म	म	नी	नी	म	प
नी	नी	प	म	रे	रे	रे	नी	सा	सा	सा	सा				

